पाठ - 9 : अच्छा कैसे लिखें

मुख्य कथ्य

भाषा ही भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। हमें चाहिए कि विचारों को क्रमबद्धता देकर अपने भावों के अनुकूल भाषा का प्रयोग करें। शुद्ध, स्वाभाविक और स्पष्ट लिखने का प्रयास करें। हालाँकि कि हम सामान्य तौर पर हिंदी भाषा में लिखते हैं परंतु अच्छे ढंग से लिखना वास्तव में एक कला है। इस पाठ में इसी कला को सिखाने का प्रयास किया गया है।

सबसे पहले अपनी बात व्यक्त करने के लिए हम सही शब्द की तलाश करते हैं। जब सिर्फ़ शब्दों से काम नहीं चलता तो अपनी बात दूसरों को समझाने के लिए हम वाक्य गढ़ते हैं। जब हमारी बात एक वाक्य में पूरी नहीं होती तो हम अनुच्छेद या पैरा बनाते हैं।जब एक अनुच्छेद में भी हमारी बात पूरी नहीं समाती तो हम कई अनुच्छेद वाला निबंध या आलेख तैयार करते हैं। लेखन के समय हम विषय का ध्यान रखते हैं। प्रयोजन और पाठक का भी ध्यान रखते हैं। अर्थात् क्यों लिख रहे हैं और पढ़ने वाला कौन है।

प्रमुख बिंदु

- भाषा के लेखन में मौटे तौर पर देखें तो मुख्यतः दो पक्ष हैं - एक तो उसका बाहरी अर्थात् स्वरूप पक्ष है, जिसमें शब्द-चयन, वाक्य-गठन, मुहावरा-प्रयोग, अभिव्यक्ति, शैली आदि आते हैं और दूसरा है भीतरी पक्ष जिसे भाव या विचार पक्ष कह सकते हैं। इसमें विचारों या भावों की गंभीरता, स्पष्टता, सरलता आदि समाहित हैं।
- अच्छे लेखन की तीन शर्तें हैं-
    1. लेखन प्रभावी हो।
    2. जो लिखा जाए, वह सटीक हो।
    3. जो लिखा जाए, वह व्याकरणिक दृष्टि से शुद्ध हो।

  शुद्ध लेखन का मतलब है कि लेखन सुंदर हो, और शब्दों की वर्तनी शुद्ध हो। वाक्य की बनावट ठीक हो। उसमें व्याकरण संबंधी कोई गलती न हो। साथ ही सटीक लेखन का मतलब है कि आपकी बात बिल्कुल साफ़ और स्पष्ट हो। जो आप कहना चाहते हैं, वही अर्थ निकले और वही दूसरों तक पहुँचे।
- शब्द-चयन : इसके लिए हमें भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण और उसके बाद शब्द से परिचित होना होगा। अगर हम सही शब्दों का चयन नहीं कर पाते तो लिखते समय वर्तनी के गलत होने से अर्थ का अनर्थ हो जाता है। जैसे - 'वर्षा' को 'बर्षा' और 'वनस्पति' को 'बनस्पति' लिख जाते हैं। इसके अलावा 'श', 'ष', 'स', की अशुद्धि तो अधिकतर लोगों से हो ही जाती है। वे 'शासन' को 'सासन', 'नमस्कार' को 'नमश्कार' और 'कष्ट' को 'कस्ट' लिख जाते हैं। 'ट' और 'ठ' के लेखन में भी खूब अशुद्धियाँ होती हैं।

  प्रभावी लिखने के लिए हमारे पास अधिक-से-अधिक शब्दों की जानकारी हो और उनका हम ठीक-ठीक प्रयोग भी कर सकें। आवश्यकता हो तो हम उपसर्गों-प्रत्ययों की सहायता से नया शब्द भी बना सकें। पर्याय, विलोम, द्विरुक्ति, अनेक के लिए एक शब्द आदि जो हमने पढ़े हैं, वे यहीं काम आएँगे।
- विशेषण हमारी भाषा और अभिव्यक्ति को जानदार और प्रभावी बनाते हैं। विशेषण के बिना भाषा नीरस लगती है।भावों को व्यक्त

करने में कुछ तुलनाएँ/उपमाएँ भी लेखन को सुंदर और प्रभावी बनाती हैं, जैसे - आँखें - झील-सी आदि।

- हम अपनी लेखन शैली को प्रभावशाली और चुस्त बनाना चाहते हैं। इसलिए हमें सरल मुहावरेदार भाषा का प्रयोग करना होगा। प्रसंगानुसार शब्दों, मुहावरों तथा सूक्तियों के बल पर आपकी भाषा सुंदर हो जाती है।
- वाक्य रचना करते समय यह ज्ञान होना आवश्यक है कि कौन-सा शब्द कहाँ आएगा? उन शब्दों के ठीक-ठाक संबंध को जानने के लिए उनका एक-दूसरे से सामंजस्य ही अन्विति कहलाता है। दो शब्दों के लिंग, वचन, पुरुष, कारक और काल की जो समानता होती है, उसे अन्विति कहते हैं, जैसे - छोटी लड़की रोती है।
- शुद्ध लेखन के लिए वाक्यों में प्रयुक्त विशेष्य और विशेषण का ज्ञान होना हमारे लिए आवश्यक है। आपने कई प्रयोग देखे होंगे, जैसे-लाल गाय, काली बिल्ली।
- लेखन में (वाक्य बनाते समय) संज्ञा और सर्वनाम के प्रयोग में भी अशुद्धि देखने को मिल जाती है, जैसे- डाकुओं का एक गिरोह पकड़े गए।
- अच्छी हिंदी लिखने के लिए हमें उचित स्थान पर उपयुक्त विराम चिह्न लगाना चाहिए। विराम चिह्न न लगाने से अर्थ अस्पष्ट होता है और कभी-कभी अर्थ का अनर्थ होने की संभावना भी होती है।

अच्छे लेखन के लिए हमेशा ध्यान रखने योग्य बातें

- आप क्या और किसके लिए लिख रहे हैं।
- लिखते समय ध्यान में रहे कि आप क्यों लिख रहे हैं।
- लेखन विषय के अनुरूप है अथवा नहीं।
- तथ्यों का क्रम ठीक है अथवा नहीं।
- आपके शब्दों का चुनाव और प्रयोग सटीक है अथवा नहीं।
- आपकी भाषा शुद्ध है अथवा नहीं।
- विराम चिह्नों का प्रयोग ठीक ढंग से हुआ है अथवा नहीं।

प्रभावी लेखन के आयाम

- शब्दों का प्रयोग सटीक और वाक्यों की बनावट सुगठित होती है।
- आपको लिखने में आसान हो और पढ़ने वाले को समझना आसान।
- विचार क्रम से रखें, जिससे उसे पढ़ने में आपका मन लगे।

अपना मूल्यांकन करें

अपने किसी किशोर मित्र के बारे में पाँच अनुच्छेद वाला एक निबंध लिखिए।

अपने गाँव की विशेषताओं के बारे में चार अनुच्छेद वाला एक आलेख तैयार कीजिए जो स्थानीय विधायक को भेजा जाना है।

शहर में विविध प्रकार के प्रदूषण - वायु, ध्वनि आदि की समस्या पर अपने विचार लिखिए